IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

सहायता प्राप्त एवम गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक सम्प्राप्ति का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ रवींद्र नाथ सिंह

शिक्षा ही एक सबल माध्यम है जिससे प्रबुद्ध नागरिकों के तैयार करना केवल समाज का ही नही वरन देश एवम विश्व मे चेतनाएनवीनता एवम प्रबुद्धता का संचार किया जा सकता है। शिक्षा की इस कड़ी में उच्च शिक्षा व्यक्तियों के वृहद सामाजिक सम्बन्धो समायोजित होने की क्षमता प्रदान करती ही है साथ ही साथ जीवन यापन के लिए वयवसायिक चयन चयन के लिए दृष्टि भी प्रदान करती है। उच्च शिक्षा या महाविद्यालयी शिक्षा व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन की तैयारी की आधार शिला है।

आज के इस जटिल सामाजिकएसांस्कृतिक एवम वैज्ञानिक परिवेश में महाविद्यालयी शिक्षकों के व्यसायिक सन्तुष्टि के आधार पर कार्य सम्पादन को परखा जाता हैएयदि शिक्षक सन्तुष्ट है तो निश्चित रूप से उसका कार्य निष्पादन भी संतोषजनक होता हैए इसी को आधार बनाकर ही महाविद्यालयी स्तर के सहायता प्राप्त एवम गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में अध्ययन रत विद्यार्थियों के शैक्षिक सम्प्राप्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया गया।

उद्देश्यरू.

1ण सहायता प्राप्त एवम गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

2ण सहायता प्राप्त एवम गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के छात्र एवम छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

3ण शहरी एवम ग्रामीण क्षेत्र के सहायता प्राप्त एवम गैर सहायता प्राप्त विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति का अध्ययन करना।

परिकल्पनारू.

1ण सहायता प्राप्त एवम गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति में सार्थक अंतर है।

2ण सहायता प्राप्त एवम् गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के छात्र एवम् छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति में सार्थक अंतर है।

3ण शहरी एवम ग्रामीण क्षेत्र के सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति में सार्थक अंतर है।

कार्य योजनारू.

प्रस्तुत अध्ययन सर्वेक्षण विधि के आधार पर विद्यार्थियों के शैक्षिक सम्प्राप्ति का अध्ययन किया गया ।

न्यादर्श के रूप में वीण्बण्सिंहण्पूण्विण्विण्जौनपुर से सम्बद्ध प्रयागराजएमिर्जापुरए वाराणसी मंडल के महाविद्यालयों के कला संकाय के 1000 विद्यार्थियों को लिया गया था।

शैक्षिक सम्प्राप्ति ज्ञात करने के लिये स्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षा में प्राप्त अंको के प्रदत्तों के रूप में संकलित किया गया है। इसके लिए शोधकर्ता ने महाविद्यालयी छात्रों से सम्पर्क करके उनके अंको को प्राप्त किया तथा अंको का मध्यमानए मानक विचलन व ष्टीष का मान प्राप्त करके शैक्षिक सम्प्राप्ति का आंकलन किया।

परिणामरू.

1णसहायता प्राप्त एवम गैर सहायता प्राप्त विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति को देखने के लिये टी टेस्ट का प्रयोग किया गया है।जिसका परिणाम निम्न है.

सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की संख्या.500एजिसका मध्यमान.332ण62 हैएमानक विचलन.33ण7 हैएऔर गैर सहायता ओराप्त महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की कुल संख्या.500 मध्यमान. 236ण14 हैएमानक विचलन.36ण58 है दोनों काष्टीष्का मान.22ण51 हैएसार्थकता स्तर.ण01 है।

2ण ग्रामीण क्षेत्र के सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के छात्रछात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति में सार्थक अंतर है. छात्रों की संख्या.250 है मध्यमान.316ण54 हैएमानक विचलन.59ण39हैएछात्राओं की संख्या.250 है मध्यमान.288ण15एमानक विचलन.49ण32है ष्टीष का मान.3ण488 है सार्थकता स्तर.ण01 है

3ण ग्रामीण क्षेत्र के गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के छात्रछात्राओं के शैक्षिक सम्प्राप्ति की तुलना. छात्रों की संख्या.250 है जिसका मध्यमान.288ण15ए मानक विचलन.49ण32 हैएछात्राओं की संख्या. 250 मध्यमान.248ण15 हैएमानक विचलन49ण6 है जिसका ष्टीष का मान.5ण38 है सार्थकता स्तर.ण01 है।

4ण्शहरी क्षेत्र के महाविद्यालयों के सहायता प्राप्त छात्रध्छात्राओं के शैक्षिक सम्प्राप्ति की तुलनारू.

छात्रों की संख्या.250 है मध्यमान.369ण्36 हैए मानक विचलन16ण्98 हैएछात्राओं की कुल संख्या.250 है मध्यमान.333ण्46 हैएमानक विचलन.14ण्5 है जिसका ष्टीष् का मान.10ण्778 हैएसार्थकता स्तर.ण्01 है।

5ण्शहरी क्षेत्र के गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के छात्रध् छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति की तुलनारू.

छात्रों की कुल संख्या.250 है मध्यमान.263ण्72 एमानक विचलन.33ण्74 है।छात्राओं की कुल सँख्या. 250 है जिसका मध्यमान.242ण्84 हैएमानक विचलन.22ण्60 है जिसका ष्टीष् का मान.3ण्447एसार्थकता स्तर.ण्01 है।

निष्कर्षरू.

प्रदत्तों की सांख्यकीय विश्लेषण और उनकी व्याख्या के आधार पर अध्ययन का के निम्न निष्कर्ष हैंरू.

ण् महाविद्यालयी विद्यार्थियों की तुलना पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुवा की सहायता प्राप्त महाविद्यालय के विद्यार्थी गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से अधिक शैक्षिक सम्प्राप्ति रखते हैं।

ण्ग्रामीण क्षेत्र के सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के छात्रध्छात्राओं की तुलना में अधिक शैक्षिक सम्प्राप्ति रखते हैं।

ण्गैर सहायता प्राप्त ग्रामीण क्षेत्र के महाविद्यालयों के छात्रध्छात्राओं की तुलना में अधिक शैक्षिक सम्प्राप्ति रखते हैं।

ण्शहरी क्षेत्र के सहायता प्राप्त महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों की तुलना छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति से गयी है।परिणाम में यह प्राप्त होता है की शहरी क्षेत्र के सहायता प्राप्त महाविद्यालय के छात्रध्छात्राओं की तुलना में अधिक शैक्षिक सम्प्राप्ति रखते हैं।

ण्शहरी क्षेत्र के गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के छात्रध्छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति के तुलनात्मक अध्ययन में यह पाया गया कि शहरी क्षेत्र के गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक सम्प्राप्ति छात्राओं से अधिक है।

शैक्षिक निहितार्थरू.

प्रस्तुत शोध में सहायता प्राप्त एवम गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालयों की शैक्षिक सम्प्राप्ति की तुलना की गयी। यह तुलना उनके लिंगगत और आवसगत दृष्टि से ली गयी। परिणाम यह प्रदर्शित कर रहे हैं कि सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालय के विद्यार्थियों से अधिक है। इससे यह शैक्षिक निहितार्थ प्राप्त होता है कि गैर सहायता सहायता प्राप्त महाविद्यालयो के शिक्षण स्तर ने सुधार किया जाय तथा शैक्षिक परिवेश निर्मित करके छात्रों की ज्ञानलब्धि में वृद्धि की जाए इस विश्लेषण यह भी प्राप्त हुवा की

शहरी एवम ग्रामीण परिवेश के कारण शैक्षिक सम्प्राप्ति में अन्तर पाया गया है।अतएव उच्च शिक्षा में महाहाविद्यालयी सुविधाओं के साथ मनोवृत्यात्मक सुधार हेतु कदम उठाए जाएं।

संदर्भ ग्रंथरू.

पाण्डेय एवम मिश्रा.;1968द्धरू मूल्य शिक्षण विनोद पुस्तक मंदिरएरांगेय राघव

योजना पत्रिका. रूसम्पादकीय कार्यालय कमरा न०538 योजना भवन

शर्माएआरण्एण;1985द्ध रूशिक्षा अनुसन्धान आरण्लालण बुक डिपोएमेरठ

चन्द्रएएसण;2002द्ध रूप्राथमिक विद्यालयो में पूर्व नियुक्त तथा नव शिक्षकों की व्यसायिक सन्तुष्टि एवम उनके कक्षा शिक्षण वयहार का अध्ययनष